



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ६]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी ११, १९८०/ पौष २१, १९०१

No. 6]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 11, 1980/PAUSA 21, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. ४-ईटीसी(पीएन)/८०

नई दिल्ली, ११ जनवरी, १९८०

नियांत्रित व्यापार नियंत्रण

विषय :—केवल जम्मू और कश्मीर मूल उद्गम की रेगिस्ट्रानी बिल्ली, लाल लोमड़ी और गन्ध बिलाव की खालों से बनी जैकटों और कोटों का सीमित उच्चतम सीमा के भीतर नियंत्रण।

फ्रिसल सं. 25(8)/79-ई-२ .—वाणिज्य विभाग की मार्वजनिक सूचना सं. 72-ईटीसी(पीएन)/७९ विनांक २७ अक्टूबर, १९७९ के अनुसरण में और जम्मू व कश्मीर राज्य के नियंत्रित अपने स्टाक की परिसमाप्ति कर सकें इससे उनकी महायता करने के लिए आगे यह निश्चय किया गया है कि केवल रेगिस्ट्रानी बिल्ली, लाल लोमड़ी और गन्ध बिलाव की खालों से बनी जैकटों या कोटों के नियंत्रण की अनुमति इस उद्देश्य के लिए निर्धारित तर्थ उच्चतम सीमा के भीतर दी जाए।

2. जैकटों या कोटों के कोटे का आबंटन जम्मू व कश्मीर हस्तांशिल्प निगम द्वारा किया जाएगा। रेगिस्ट्रानी बिल्ली के सम्बन्ध में पोतलदान की अनुमति देने से पहले संकटापन किसी के अन्तर्गत व्यापार सम्मेलन के प्रबन्ध प्राधिकारी से एक अतिरिक्त प्रमाण-पत्र लेना भी आवश्यक होगा। ऐसा प्रमाण-पत्र रखे गए स्टाक के आधार पर जारी किया जाएगा और क्रीषि मंत्रालय को जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार द्वारा पहले ही निर्विघ्न की गई सूची के अनुसार विनिर्माताओं/नियंत्रितों द्वारा सत्यापित किया जाएगा।

3. यह भी निश्चय किया गया है कि नियंत्रण के लिए पूर्णरूप से निषेध की गई खालों से भिन्न खालों की सभी किसी से बने दस्तानों, स्लीपरों और टोपियों के नियंत्रण की अनुमति किसी भी परिमाणात्मक प्रतिबन्ध के बिना अवाधि रूप से दी जाएगी परन्तु यह अनुमति कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाण-पत्र के प्रस्तुतीकरण के अधीन होगी।

4. ऊपर संदर्भित सार्वजनिक सूचना की अन्य सभी शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

सी. बेंकटरमन, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE NO. 4-ETC(PN)/80

New Delhi, the 11th January, 1980

EXPORT TRADE CONTROL

Subject :—Export of Jackets and Coats only made out of skins of Desert Cat, Red Fox and Civet Cat of J&K Origin within a limited ceiling.

File No. 25(8)/79-E-II.—In continuation of the Department of Commerce Public Notice No. 72-ETC(PN)/79 dated the 27th October, 1979, and in order to help the manufacturers—exporters of J&K State to liquidate their own stocks it has further been decided to allow export of Jackets or Coats only made out of skins of Desert Cat, Red Fox and Civet Cat within an ad hoc ceiling fixed for this purpose.

2. Allotment of quota for jackets or coats will be made by J&K Handicrafts Corporation. As regards Desert Cat an additional certificate from the Management Authority of Convention on International Trade in Endangered Species will also be necessary before the shipments are allowed. Such certificate would be issued on the basis of stocks held and verified by manufacturers/exporters as per list already indicated by the State Government of J&K to the Ministry of Agriculture.

3. It has also been decided that gloves, sleepers and caps made out of all species of skins other than completely banned for export, will be permitted for export freely without any quantitative restriction but subject to production of a legal procurement certificate.

4. All other provisions of the Public Notice referred to above will remain unchanged.

of Imports & Exports
C. VENKATARAMAN, Chief Controller